1.30 करोड़ के काम मंजूर

बीकानेर,(कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के प्रयासों से नापासर नगर पालिका में करीब एक करोड़ 30 लाख रूपए की लागत के पेयजल आपूर्ति और सड़क निर्माण के कार्य करवाए जायेंगे।

गोदारा ने बताया कि नापासर में हैड वर्क वन ओर हैड वर्क टू के पास दो नए ट्यूबवैल निर्माण की स्वीकृति जारी की गई है। उन्होंने बताया कि हैड वर्क वन के पास ट्यूबवैल निर्माण के लिए 44 लाख 99 हजार तथा हैड वर्क 2 के पास ट्यूबवैल निर्माण के लिए 44 लाख 50 हजार रूपए व्यय किए जायेंगे। इन ट्यूबवेल्स के निर्मित होने से कस्बे वासियों को निर्बाध पेयजल आपूर्ति हो सकेगी।

लम्बे समय से कस्बे वासियों द्वारा पेयजल आपूर्ति सुचारू करने के लिए इन ट्यूबवैल की मांग की जा रही थी। इसके मध्य नजर प्राथमिकता से ये स्वीकृतियां जारी करवाई गई हैं। गोदारा ने बताया कि नापासर कस्बे की सड़क निर्माण के लिए 40 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इस सड़क के बनने से कस्बे वासियों को आवागमन में आसानी हो सकेगी।

गोदारा ने कहा कि नापासर नगर पालिका के विकास हेतु विद्युत, पेयजल आपूर्ति और नई सड़कों का निर्माण तथा आवश्यकता अनुसार सड़कों के नवीनीकरण के लिए नियमित रूप से स्वीकृतियां करवाई जा रही है। आगे भी आवश्यकता अनुसार नई विकास कार्य स्वीकृत करवाएं जायेंगे।

इन कार्यों में संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार शहरी निकायों के ढांचे को विकसित करने के लिए नियमित रूप से स्वीकृतियां जारी कर रही हैं।

‘पशु प्रजातियों के संरक्षण का मॉडल परिस्थिति के अनुसार करें’

अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में दो दिवसीय प्रशिक्षण के समापन पर डॉ. बी. पी. मिश्रा ने ऊंट पालकों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र पर आज दो दिवसीय पशु संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन डॉ बी. पी. मिश्रा, निदेशक राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो करनाल, हरियाणा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

समापन समारोह में डॉ मिश्रा ने कहा कि पशु प्रजातियों के संरक्षण का एक ही मॉडल हर जगह फिट नहीं होता। समय, परिस्थिति एवं स्थान अनुसार उचित मॉडल का चयन करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने बताया

- **अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम**

की हलारी अश्व के संरक्षण के लिए उन्होंने दो जगह एक साथ यह कार्य सौंपा। उनका मकसद यह था कि अश्व अनुसंधान संस्थान जहां नए-नए अन्वेषण करेगा एवं इसकी उपयोगिता बढ़ायेगा व पशु पालकों को प्रशिक्षित करेगा वहीं दूसरी संस्था किसानों के पशुओं के साथ कार्य करते हुए इनका प्रजनन, प्रबंधन एवं विपणन में सहायता प्रदान करेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केन्द्र के प्रभागाध्यक्ष डॉ. एस. सी. मेहता ने कहा कि पशुओं के संरक्षण पर चल रही नेटवर्क परियोजना के तहत इस कार्यक्रम को खास गुजरात के किसानों को ध्यान में रखकर बनाया गया। प्रशिक्षण में किसानों को अश्वों के प्रजनन, खानपान, बीमारियों की जानकारी के साथ- साथ अश्वों में मशीन से दूध निकालना, दूध का पाउडर बनाना, सिमन क्रायोप्रीज़र्व करना एवं फार्म ऑटोमेशन की जानकारी दी गई।

डॉ मेहता ने आव्हान किया कि अश्वों के दूध की विशेषताओं एवं दर के बारे में भ्रामक वक्तव्यों एवं विज्ञापनों पर ध्यान नहीं दें एवं वास्तविकता एवं वैज्ञानिक शोध पर आधारित तथ्यों पर ही ध्यान दें। उन्होंने हलारी के संरक्षण हेतु उच्च गुणवत्ता वाले नर पशु केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराने की बात कही एवं किसानों को हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ समर कुमार घुराई ने कहा कि आज समय इस निरीह प्राणी की रक्षा करने का है। आज तक यह मानव जाति की निस्वार्थ सेवा करता आया है एवं अब समय इसको बचाने का है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ रमेश देदड एवं डॉ टी. राव के निर्देशन में हुआ एवं इसका संयोजन डॉ कुट्टी एवं डॉ जितेन्द्र सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुहैब ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ कुट्टी ने किया। कार्यक्रम में केन्द्र के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ बी. पी. मिश्रा का विशिष्ट उपलब्धियों के कारण आज बीकानेर शहर की विभिन्न संस्थाओं द्वारा नागरिक अभिनंदन किया गया। ज्ञात रहे कि डॉ मिश्रा बीकानेर की डॉ बीना चौहान जो की आईसीएआर में प्रधान वैज्ञानिक हैं, उनके पति हैं। डॉ बिष्णु प्रसाद मिश्रा के जीवन एवं उनकी उपलब्धियों के बारे में राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, बीकानेर के प्रभागाध्यक्ष एवं संयोजक समता सेवा केन्द्र डॉ एस. सी. मेहता ने बताया कि डॉ मिश्रा वर्तमान में निदेशक हैं राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल के एवं अब तक कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

जिला स्तरीय हेरिटेज समिति गठित

बीकानेर,(कासं)। हेरिटेज सरंक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने जिला स्तरीय हेरिटेज समिति का गठन किया।

यह समिति बीकानेर की ऐतिहासिक इमारतों, हवेलियों, कुओं, बावड़ियों व सांस्कृतिक महत्व के स्मारकों के सरंक्षण एवं संवर्धन की दिशा में कार्य करेगी। समिति का मुख्य कार्य हेरिटेज संबंधित गतिविधियों की निगरानी, हेरिटेज वॉक के माध्यम से टूरिज्म को बढ़ावा एवं बीकानेर के पारम्परिक क्राफ्ट, खान-पान एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों का संवर्धन रहेगा।

समिति की अनुशंषा पर नगर निगम में हेरिटेज सेल का गठन भी किया जायेगा। जिससे शहरी परकोटे की ऐतिहासिक इमारतों को सुरक्षित रखा जा सकेगा। जयपुर हेरिटेज की तर्ज पर बीकानेर को हेरिटेज सिटी बनाने की दिशा में भी यह समिति प्रस्ताव तैयार करेगी।

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति के सदस्य सचिव नगर निगम आयुक्त होंगे। इसमें जिला पुलिस अधीक्षक, नगर विकास न्यास सचिव, अभिलेखागार निदेशक, जिला परिवहन अधिकारी, पीडब्लयूडी, विद्युत और नगर निगम के अधीक्षण अभियंता, वरिष्ठ नगर नियोजक, पुरातत्व विभाग के वृत्त अधीक्षक, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक, यातायात पुलिस के उप अधीक्षक पदेन सदस्य होंगे। वहीं होटल व्यवसाय, टूर एंड ट्रैवल एजेंसी, मार्केट एसोसिएशन, इन्टेक के बीकानेर चैप्टर, गाइड एसोसिएशन, स्वयंसेवी संस्थान तथा हवेली संगठन के प्रतिनिधि भी इसके सदस्य होंगे।

सार-समाचार

रजनी छाबड़ा की पुस्तकों का विमोचन

डॉ. रजनी छाबड़ा की हिन्दी कविता संग्रह ‘परम सत्ता में लीन’ पुस्तक का विमोचन किया।

बीकानेर, (कासं)। वरिष्ठ कवयित्री डॉ. रजनी छाबड़ा की दो पुस्तकों का शनिवार को विमोचन किया गया। डॉ. छाबड़ा द्वारा डॉ. अंजु दुआ जैमिनी के हिन्दी कविता संग्रह ‘परम सत्ता में लीन’ के अंग्रेजी अनुवाद ‘मर्जिंग विद द डिवाइन’ के रूप में किया गया है। वहीं उनके द्वारा लिखी गई पुस्तक अंकशास्त्र की व्यवहारिक गाइड का भी इस दौरान विमोचन किया।। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि कथाकार राजेंद्र जोशी थे। उन्होंने कहा कि साहित्य में अनुवाद कर्म अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। इसमें मूल सृजन की भावना को बरकरार रखते हुए उसे दूसरी भाषा में पठनीय बनाना होता है। उन्होंने कहा कि डॉ. छाबड़ा इस पर खरी उतरी हैं और अंग्रेजी में बेहतर अनुवाद किया है। अध्यक्षता करते हुए डॉ. नीरज दैया ने कहा कि साहित्यकार का अंक शास्त्री होना बेहद दुर्लभ संयोग है। डॉ. छाबड़ा ने साहित्य सृजन के साथ अंक ज्योतिष के क्षेत्र में भी भरपूर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. छाबड़ा ने अपनी पुस्तक में अंक शास्त्र से जुड़ी गूढ़ बातों को सहज तरीके से प्रस्तुत किया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए राजभाषा संपर्क अधिकारी हरि शंकर आचार्य ने कहा कि डॉ. छाबड़ा ने सदैव सामाजिक विद्रूपताओं के विरूद्ध कलम चलाई है। उनकी रचनाएं समाज को दिशा दिखाती हैं। सपाटबयानी इनकी सबसे बड़ी खूबी है, जो पाठकों के मन में सीधे उतरती हैं। डॉ. कृष्णा आचार्य और मोनिका गौड़ ने दोनों पुस्तकों पर पत्र वाचन किया। डॉ. बसंती हर्ष ने गीत के माध्यम से डॉ. छाबड़ा के रचनाकर्म को रेखांकित किया। डॉ. रजनी छाबड़ा ने अपनी पुस्तकों के अंशों का वाचन किया और सभी के प्रति आभार जताया।

भीमसेन चौधरी का जन्मदिवस आज

बीकानेर, (कासं)। किसान नेता व पूर्व मंत्री भीमसेन चौधरी का 101 वां जन्मदिवस 5 जनवरी को मनाया जायेगा। इसे लेकर भीमसेन चौधरी स्मारक समिति सहित विभिन्न संस्थाओं की ओर से कार्यक्रम होंगे। भीमसेन चौधरी स्मारक समिति के अर्जुनराम कूकणा ने बताया कि धोरों में नहर का पानी लिफ्ट करवाकर हरित क्रांति लाने वाले किसान नेता भीमसेन चौधरी ने बीकानेर की समृद्धि के लिए ऐतिहासिक काम करवाएं। बीकानेर के प्रथम जिला प्रमुख, लूणकरनसर से छह बार विधायक व राजस्थान सरकार में उद्योग मंत्री रहे भीमसेन चौधरी ने उरमूल डेयरी की स्थापना करते हुए बीकानेर क्षेत्र में दुग्ध क्रांति लाने काम किया। कूकणा ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा परमो धर्म के सिद्धांत पर चलते हुए स्व. भीमसेन चौधरी ने पशु बलि के विरोध में विधानसभा में निजी बिल पारित करवाकर उसे लागू करवाया। कूकणा ने बताया कि मरूधरा के गांधी भीमसेन चौधरी का 101 वां जन्मदिवस आगामी 5 जनवरी को मनाया जायेगा, जिसे लेकर मुख्य कार्यक्रम बीकानेर स्थित उनके प्रतिमा स्थल पर सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर आयोजित किया जायेगा। इसके बाद बीकानेर शहर में स्थित भीमसेन चौधरी बाल उद्यान व स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय स्थित भीमसेन चौधरी किसान घर सहित जिले के लूणकरनसर व अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। लूणकरनसर स्थित भीमसेन चौधरी किसान छात्रावास में 5 जनवरी को ही सुबह 11:30 बजे प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया है। वहीं लूणकरनसर कस्बे में भीमसेन चौधरी राजकीय महाविद्यालय तथा भीमसेन चौधरी पब्लिक पार्क में भी पूर्व मंत्री भीमसेन चौधरी के 101 वें जन्मदिवस पर कार्यक्रम आयोजित होगा।

आवास आवंटन की मांग

बीकानेर, (कासं)। अखिल भारतीय सफाई श्रमिक कांग्रेस ने भजनलाल सरकार से आवासहीन सफाई कार्मिकों व वाल्मीकि समुदाय को नगरीय विकास व स्वायत्त शासन विभाग द्वारा नि:शुल्क व न्यूनतम दर पर आवासीय कॉलोनियों का निर्माण कर नए वर्ष- 2025 पर क्वार्टर्स आवंटन करने की मांग की है। इस संबंध में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वाल्मीकि मुकेश राजस्थानी ने बताया कि विगत 50 वर्षों से आवासीय निर्माण कार्य राजनीति की भेंट चढ़ जाने से कॉलोनियों का निर्माण बिल्कुल नहीं किया जा रहा है। जिससे संगठन ने गंभीरता से लेते हुए रोष व्यक्त किया हैं। अ.भा.सफाई श्रमिक कांग्रेस अध्यक्ष व वरिष्ठ दलित सामाजिक नेता मुकेश राजस्थानी ने कहा कि भजनलाल सरकार का एक वर्षीय कार्यकाल अवधि में वाल्मीकि समुदाय के सफाई कार्मिकों को सामाजिक स्तर पर कुछ नहीं मिला हैं। ऐसे में संगठन ने आशा जताते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा समेत संबंधितों को पत्र प्रेषित कर आग्रह किया है कि सरकार अपने दूसरे कार्यकाल अवधि-2025 में प्रदेश स्तर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग द्वारा सफाई कार्मिकों एवं वाल्मीकि समुदाय के आवासहीनों को क्वार्टरों का निर्माण कर नई कॉलोनियां विकसित करायें। जिससे सफाई श्रमिक व वाल्मीकि समुदाय को आवास उपलब्ध हो सकें।

सर लुई ब्रेल की जयंती मनाई

बीकानेर, (कासं)। सौर चेतना एवं ऊर्जा विज्ञान शोध संस्थान द्वारा संचालित सेवा आश्रम 1 विशेष आवासीय विद्यालय में शनिवार को सर लुई ब्रेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर नेत्रहीन बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शतरंज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान याकूब तथा द्वितीय स्थान मोहनराम ने हासिल किया। ब्रेल लिपि पठन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नारायण, द्वितीय स्थान अंकित ने और ब्रेल लिपि लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अरूण ने प्राप्त किया। इस अवसर पर विशेष शिक्षक पृथ्वीराज ने लुई ब्रेल की जीवनी के बारे में बताया। लुई ब्रेल ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए पढ़ना और लिखना संभव बनाया। नेत्रहीन और आंशिक दृष्टि वाले लोगों के लिए संचार माध्यम के रूप में कार्य करता है। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाध्यापिका भावना गौड़, विशेष अध्यापक मनोज कुमावत, लक्ष्मी रावत, गुंजन तंवर, देवेन्द्र वर्मा, सौरभ पाल आदि मौजूद थे।

ऑन्को सर्जिकल विंग शुरू करने के लिए पैरामेडिकल स्टाफ मांगा

- **ऑन्को सर्जिकल विंग की 52 बैड की बिल्डिंग तैयार**
- **26 जनवरी को इसके उदघाटन की तैयार**

बीकानेर, (कासं)। पीबीएम हॉस्पिटल परिसर स्थित आचार्य तुलसी कैंसर ट्रीटमेंट एंड रिसर्च सेंटर के आंको सर्जिकल विभाग के लिए अलग से बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई है। इसक उद्घाटन 26 जनवरी को कराने की कवायद की जा रही है।

ऑन्को सर्जिकल विंग में 52 बैड होंगे। कैंसर रोगियों की सर्जरी करने से लेकर भर्ती होने तक की अलग व्यवस्था रहेगी। तीन मंजिला बिल्डिंग का निर्माण भामाशाह सुंदरलाल डागा चैरिटेबल ट्रस्ट ने कराया है। इसका नाम आचार्य नानेश रामेश कैंसर चिकित्सा केन्द्र रखा गया है। बिल्डिंग के निर्माण पर करीब चार करोड़ रूपए खर्च हुए हैं। इतनी की राशि राज्य सरकार ने भी मंजूर की थी, जिससे दो मॉड्यूलर ऑटी, एक आईसीयू और मल्टीपल गैस प्लांट लगाया जायेगा।

ऑन्को सर्जिकल विंग को शुरू करने के लिए पीबीएम अधीक्षक से पैरामेडिकल स्टाफ मांगा गया है। सर्जरी विंग अलग होने के कारण नर्सिंग स्टाफ, अटेंडेंट, सफाई कर्मी, गार्ड आदि लगाए जायेंगे। इसे लेकर कैंसर हॉस्पिटल की कार्यवाहक डायरेक्टर डॉ. नीति शर्मा और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के प्रोफेसर एंड हैड डॉ. संदीप गुप्ता ने पीबीएम अधीक्षक के साथ मीटिंग की। सर्जिकल विंग में फिलहाल डॉ. संदीप गुप्ता और असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर डॉ. राजेंद्र बोथरा कार्यरत हैं, जो ट्रस्ट की ओर से लगाये गए हैं। इनके अलावा वहां कोई स्थायी फैकल्टी नहीं है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 2022-23 में कैंसर सर्जरी को अलग से विभाग घोषित कर दिया था। लेकिन वर्तमान में कैंसर सर्जरी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग एक ही बिल्डिंग में चल रहे हैं। कैंसर सर्जरी का हर महीने 1200 से 1500 मरीजों का ओपीडी रहता है। करीब इतने ही मरीज भर्ती किए जाते हैं। इसके अलावा 500 मेजर और 1500 माइनर सर्जरी के केस होते हैं। नई बिल्डिंग मिलने से मरीजों को काफी सुविधा हो जायेगी।

आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर हॉस्पिटल का सर्जरी कैंसर केयर सेंटर 10 साल बाद भी अधूरा है। सेंटर को 2015 में अपग्रेड करते हुए यहां प्रदेश का पहला टर्सरी कैंसर केयर सेंटर स्थापित करने के लिए 45 करोड़ रुपए मंजूर किए गए थे।

विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण

गजसिंहपुर, (कासं)। श्रीकरणपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपेन्द्र सिंह कुन्नर ने अपने जन्मदिन पर जनसुनवाई की तथा विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया।

विधायक रूपेन्द्र सिंह कुन्नर ने अपना जन्मदिन सादगी से बच्चों के साथ मनाया और सड़कों का शिलान्यास किया। कुन्नर के नीति सहायक सांवरमल शर्मा ने बताया कि गांव 3 सी सी, 2केके, व 5 पीपी सहित अनेक गांवों में लाखों रूपये की लागत से बनाई गई सड़कों व अन्य कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कर क्षेत्र वासियों को जन्म दिन पर सौगात दी।

जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिये अधिकारियों को निर्देश दिये। उनके साथ सांसद कुलदीप इंदौरा व उप जिला प्रमुख सुदेश मोर व पंचायत समिति प्रधान सुनिता पूनिया तथा अन्य कार्यकर्ता थे।

यूजी-पीजी के अभ्यर्थी आठ से भरेंगे परीक्षा फॉर्म

- **अपार आईडी के बिना ऑनलाइन आवेदन नहीं होगा**

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय ने मुख्य परीक्षा- 2025 की तैयारी शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय में मुख्य परीक्षा सहित सेमेस्टर दिसम्बर -2024 परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने का नोटिफिकेशन शुक्रवार को जारी कर दिया है। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जायेगी। संभाग के 482 कॉलेज में पढ़ने वाले यूजी - पीजी के करीब चार लाख अभ्यर्थी 8 जनवरी से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। सामान्य शुल्क में 17 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। 100 रूपए विलम्ब शुल्क के साथ अभ्यर्थी 18 से 24 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे। द्वितीय चरण में बीएड, एमएड, बीए-बीएड, बीएससी - बीएड, बीपीएड सहित अन्य कक्षाओं के अभ्यर्थी 15 जनवरी से 24 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे। द्वितीय चरण के ऑनलाइन आवेदन के तहत 100 रूपए विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन का मौका 25 से 31 जनवरी तक रहेगा। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा का कार्यक्रम घोषित किया जायेगा। विश्वविद्यालय में स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन आवेदन करने के बाद परीक्षार्थियों को 5 दिन के अंदर संबंधित महाविद्यालय अथवा परीक्षा केन्द्र पर आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करानी होगी। पहली बार परीक्षा फॉर्म भर रहे अभ्यर्थी बिना अपार आईडी के ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पायेंगे। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन से पहले अपार आईडी बनाना जरूरी होगा। एमजीएसयू में परीक्षा की तैयारी शुरू, दो चरणों में होगी।

तेज धूप से कम हुआ सर्दी का असर

- **हालांकि मौसम विभाग ने दो दिन में बारिश की संभावना जताई है**

बीकानेर, (कासं)। यहां शनिवार सुबह कोहरे के बजाय धूप खिल गई। नौ बजे तक ही धूप ने सर्दी को काफी कम कर दिया जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है।

शहर और गांव दोनों में ही सर्दी पिछले दो दिन से कम है, जिसमें शुक्रवार की रात का पारा ज्यादा नहीं रहा। शुक्रवार दोपहर से ही धूप ने सर्दी को कम किया है। पिछले चौबीस घंटे में बीकानेर में अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पिछले दस दिनों में इतना तापमान पहली बार हुआ है। अब तक पारा 20 से 21 डिग्री सेल्सियस तक ही पहुंच रहा था। लेकिन अचानक 27 डिग्री सेल्सियस तक आते ही गर्मी का अहसास होने लगा है। इतना ही नहीं न्यूनतम तापमान भी 12 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शुक्रवार की रात लोगों ने तापमान में इस बढ़ोतरी का अहसास भी किया। उधर मौसम विभाग ने अगले दो दिन बीकानेर संभाग में बारिश की चेतावनी दी हुई है। बीकानेर जिले में तो बारिश की उम्मीद कम है लेकिन श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व चूरू में जमकर बारिश हो सकती है। अगर मौसम विभाग की भविष्यवाणी सही साबित होती है तो तापमान में फिर गिरावट आयेगी।

चार घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

बीकानेर, (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा एवं जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि के निर्देश पर रसद विभाग द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर के अवैध विक्रय, भंडारण, व्यावसायिक उपयोग के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है।

अभियान के तहत शनिवार को प्रवर्तन अधिकारी मनीष अवस्थी द्वारा छगनलाल पुत्र केवल राम निवासी कपूरीसर के स्थान पर कार्यवाही में मौके पर 4 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। भारतमाला मार्ग के शेखसर कट के पास मनीराम पुत्र रूघ गर निवासी मलकीसर छोटा (पीपेरां) की दुकान पर व्यावसायिक उपयोग किया जाना पाये जाने पर 2 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए। प्रवर्तन अधिकारी ने बताया कि आगामी समय में कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

सब स्टैंडर्ड मामले में निर्माता, होलसेलर और रिटेलर पर जुर्माना

श्रीगंगानगर, (कासं)। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के एक मामले में न्यायालय ने अमानक पाये जाने पर खाद्य पदार्थ निर्माता, होलसेलर एवं रिटेलर तीनों को सजा सुनाई।

ऐसे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने एक बार फिर अपील की है कि दुकानदार शुद्ध खाद्य पदार्थ ही बेचें और यदि कहीं मिलावटी, अवधिपार या अशुद्ध खाद्य पदार्थ बेचा जा रहा है तो उसकी आमजन शिकायत अवश्य करें। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि अनूपगढ़ के वार्ड नंबर 16 स्थित ए टू जैड डिपार्टमेंटल स्टोर पर विभागीय टीम ने निरीक्षण कर बेसन (बिसाऊवाला श्री ब्रांड) का सैंपल लिया, जो जांच में सब स्टैंडर्ड पाया गया। इस पर संबंधित के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत न्यायालय में वाद दायर किया गया। जिस पर न्यायालय ने इसे गंभीरता से लिया। खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की धारा 26(2)(।।) के अनुसार कोई भी खाद्य व्यवसाय संचालक स्वयं या अपनी ओर से किसी व्यक्ति द्वारा कभी भी खाद्य पदार्थ का निर्माण, भंडारण, बिक्री या वितरण नहीं करेगा जो गलत ब्रांडेड या घटिया है या जिसमें बाहरी पदार्थ शामिल है।

सब स्टैंडर्ड खाद्य पदार्थ का विनिर्माण करने पर मैसर्स भगवती उद्योग नजदीक पुलिस स्टेशन, बिसाऊ जिला झुंझुनू (निर्माता) को तीन लाख रुपए आर्थिक दण्ड से दण्डित किया गया। न्यायालय ने कहा कि अधिनियम के तहत ऐसा खाद्य पदार्थ बेचना असुरक्षित श्रेणी में आता है।

सब स्टैंडर्ड खाद्य पदार्थ का भण्डारण व आगे विक्रय करने पर थोक विक्रेता मैसर्स पारस होलसेल भण्डार, सोनी मार्किट के पास, सूरतगढ को एक लाख रूपए का जुर्माना लगाया गया। वहीं इस खाद्य पदार्थ का भण्डारण एवं विक्रय करने पर विक्रेता वार्ड नंबर 16, अनूपगढ़ स्थित ए टू जेड डिपार्टमेंटल स्टोर पर 25 हजार रूपए जुर्माना लगाया गया। वहीं अवधिपार (एक्सपायरी) खाद्य पदार्थ बेचने के मामले में ए टू जेड डिपार्टमेंटल स्टोर संचालक पर 50 हजार रूपए अतिरिक्ति जुर्माना लगाया गया।

निगम की जन्म-मृत्यु पंजीयन शाखा में डाटा प्रोसेसिंग की प्रक्रिया जानी

बीकानेर कलेक्टर और नगर निगम प्रशासक नम्रता वृष्णि ने निगम कार्यालय का निरीक्षण किया।

- **कलेक्टर व निगम प्रशासक नम्रता वृष्णि ने निगम कार्यालय के विभिन्न अनुभागों की कार्यप्रणाली जानी**

बीकानेर, (कासं)। जिला कलेक्टर तथा नगर निगम प्रशासक नम्रता वृष्णि ने शनिवार को नगर निगम कार्यालय का निरीक्षण किया।

निगम प्रशासक वृष्णि ने निगम की जन्म मृत्यु पंजीयन शाखा को देखा तथा इसमें डाटा प्रोसेसिंग की प्रक्रिया जानी। उन्होंने कहा कि पंजीयन का यह कार्य निर्धारित सीमा में हो। उन्होंने लेखा शाखा, हेल्पिंग सेंटर तथा निम्राण शाखा सहित विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया तथा इनकी कार्यप्रणाली जानी। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) तथा इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के कार्यों की प्रगति जानी। कार्यालय परिसर को साफ-सुथरा रखने, सभी पत्रावलियों को व्यवस्थित करने तथा आमजन के कार्य पूर्ण संवेदनशीलता से करने के निर्देश दिए।

उन्होंने यूडी टैक्स की स्थिति जानी तथा निगम की आय बढ़ाने के संबंध में चर्चा की। जिला कलेक्टर ने शिव वैली में कचरा निस्तारण केन्द्र तथा बायो मेडिकल वेस्ट यूनिट का अवलोकन किया। इसकी कार्य प्रणाली के बारे में जाना। घर-घर कचरा संग्रहण प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शहर को साफ-सुथरा रखना निगम की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। इसका निर्वहन पूर्ण गंभीरता से किया जाए। बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण नॉर्म्स के रूप करने के निर्देश दिए। उन्होंने वल्लभ गार्डन में डॉग स्टेरलाइजेशन सेंटर का अवलोकन किया। एवं इसकी कार्य प्रणाली के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा हेरिटेज संपत्ति को संरक्षित करने की दिशा में प्रभावी कार्य हो। अनुपयोगी सामग्री का नॉर्म्स के अनुसार निस्तारण किया जाए। उन्होंने 100 करोड रूपए की लागत से गंदे पानी की निकासी कार्य को देखा।

‘सड़क दुर्घटना में घायलों का इलाज ट्राइऐज प्रोटोकॉल में हो’

हनुमानगढ़ सी.एम.एच.ओ. डॉ. नवनीत शर्मा ने चिकित्सा कार्मिकों से सड़क हादसों में घायलों की जानकारी ली।

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले में 1 जनवरी से शुरु हुए सड़क सुरक्षा माह के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने शनिवार को हनुमानगढ़ टाउन स्थित एमजीएम जिला अस्पताल के ट्रोमा सेंटर एवं खण्ड रावतसर के ब्रह्मसर पीएचसी में चिकित्साकर्मियों को अभियान की जानकारी दी।

डॉ. नवनीत शर्मा ने चिकित्साकर्मियों को घायलों के इलाज में ट्राइऐज प्रोटोकॉल की जानकारी दी। यह अभियान 31 जनवरी तक जारी रहेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि उन्होंने शनिवार को एमजीएम जिला अस्पताल के ट्रोमा सेंटर एवं खण्ड रावतसर की पीएचसी ब्रह्मसर का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों का इलाज ट्राइऐज प्रोटोकॉल के तहत किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में सबसे पहले उन मरीजों का उपचार किया जाए, जो अति गंभीर हैं और जिन्हें उपचार की सबसे ज्यादा जरूरत हैं। ऐसे गंभीर घायल व्यक्तियों का गोल्डन ऑवर में उपचार होने पर उनके जल्द ठीक होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। गंभीर घायल व्यक्तियों के उपचार के बाद ही अन्य मरीजों का उपचार किया जाए। सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग से मिली प्रचार-प्रसार सामग्री भी चिकित्सा संस्थानों में लगवाई जाए।